Course outcome

पाठ्यक्रम परिणाम

प्रथम छमाही के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहास के आदिकाल और भक्तिकाल सम्बंधित अवधारणा और तत्कालीन कविताओं का अध्ययन के द्वारा यथायत जानकारी प्राप्त करवाया जाता है |

दूसरी छमाही के अंतर्गत हिन्दी साहित्योतिहास के रीतिकाल एवं रीतिकालीन कविताओं से परिचय करवाकर तत्कालीन तमाम जानकारियाँ दी जाती है |

तीसरी छमाही का ध्येय है हिन्दी साहित्योतिहास के आधुनिककाल से रू-ब-रू करवाना और भारतीय काव्य-शास्त्र के अन्तर्गत काव्य सम्बन्धित तमाम जानकारियाँ (रस , छन्द, अलंकार, काव्य लक्ष्यण आदि) प्राप्त करवाना होता है |

चौथे छमाही के अंतर्गत आधुनिक काव्यधारा की छायावाद और छायावादोत्तर सम्बंन्धित कविताओं का अध्ययन कर तत्सम्बंधित जानकारियाँ प्राप्त करवाना होता है |

पाँचवी छमाही के पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी गद्य साहित्य की एकांध स्वतंत्र धाराएँ (निबंध , कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, आलोचना) आदि से परिचित करवाकर विषय सम्बंधित ज्ञान से रूबरू करवाया जाता है |

छठवी छमाही पाठ्यक्रम के अंतर्गत पाश्चात्य काव्यशास्त्र की तमाम विधाओं की जानकारियाँ भाषा-विज्ञान का सामग्रिक ज्ञान और हिन्दी भाषा से सम्बंन्धित तमाम जानकारियाँ प्रयोजनमूलक हिन्दी के अन्तर्गत सरकारी अथवा गैर-सरकारी कार्यालयों में पत्र-व्यवहार से सम्बंधित तमाम जानकारियाँ , विज्ञापन लेखन , परिभाषित शब्दावली आदि से सम्बंधित तमाम जानकारियाँ , हिन्दी भाषा अध्ययन करनेवाले विद्यार्थियों को असमीया भाषा साहित्य से परिचित करवाना तथा लघु-शोध परियोजना के अन्तर्गत शोध से सम्बंधित तमाम जानकारियाँ प्रदान कर भाषा , साहित्य, इतिहास, कार्यालयी ज्ञान आदि सभी दिशाओं से विद्यार्थियों को विशारद बनाने का प्रयास होता है ताकि इस पाठ्यक्रम को (B.A) समाप्त करने के बाद उपलब्ध ज्ञान के द्वारा अपने भविष्य को स्वर्णिम एवं सुगम बना सके |

इस पाठ्यक्रम को समाप्त करने के उपरांत निम्नलिखित परिणाम हाथ लग सकते हैं ---

1. किसी भी विद्यालय में अपने योग्यता के आधार पर एक आदर्श शिक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारी सम्भाल सकते हैं |

2. विश्वविद्यालय में उच्चशिक्षा के लिए दाखिला ले सकते हैं |
3. शिक्षक शिक्षण संस्थान में शिक्षा स्नातक उपाधि पत्र हेतु दाखिल हो सकते हैं |
4. भारतीय या लोक सेवा आयोग की प्रतियोगितामूलक परीक्षा में बैठने की योग्यता प्राप्त होते हैं |
5. राजनीति के क्षेत्र में अपना पाव रख सकते हैं |
6. किसी कार्यालय में कार्यालय सहायक के रूप में कार्य कर सकते हैं |
7. अनुवादक के रूप में देश के प्रशासनिक व्यवस्था अथवा विविध क्षेत्रों में सहायक हो सकते हैं |
8. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों में अपना योगदान दे सकते हैं |
9. ग्राहक सेवा सहयोगी के रूप में काम कर सकते हैं |
10. शोध-कार्य में चाहे भाषा के क्षेत्र में हो या साहित्य के इस पाठ्यक्रम के बाद समर्थ सिद्ध हो सकते हैं |
11. सर्जानात्मक लेखन (Creative writing) के द्वारा भारतीय संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकते हैं |
12. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सलाहकार (Consultant), शुद्धिकारक(Hindi Prof Reader), दुभाषिया(Interpreter), शीर्षक सूची लेखन (Content writer), टेली कॉलर (Tally Caller), पाण्डुलिपिकार (Script Writer), यात्रा एवं पर्यटन (Travel and tourism), तथ्य दाखिला प्रचालक(Data entry operator) आदि विविध क्षेत्रों में कार्यरत हो सकते हैं |
13. विविध उच्च सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थान जैसे भारत संचार निगम लिमिटेड(Bharat Sansar Nigam Limited), भारतीय खाद्य निगम(Food corporation of India Limited), सन्मिलित रक्षा सेवा (Combined defense academy), भारतीय रेलवे भर्ती बोर्ड (Indian Railway Recruitment Board), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण(Authority of India), भारतीय इस्पात प्राधिकरण(Steel Authority of India) आदि पर कार्य कर सकते हैं |